E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART 1st ECONOMICS HONS
PAPER 1st

Recardian theory of Rent.

रिकार्डो का लगान सिद्धान्त

लगान-निर्धारण की विस्तृत व्याख्या सर्वप्रथम शास्त्रीय अर्थशास्त्री रिकार्डो (Recardo) ने प्रस्तुत की थी। रिकार्डो के अनुसार भूमि की मौलिक (original) एवं अविनाशी (indestructible) शक्तियों के कारण उत्पन्न होता है। रिकार्डो के शब्दों में— लगान भूमि की उपज का वह भाग है जो भूमिपति को भूमि की मौलिक एवं अविनाशी शक्तियों के प्रयोग के लिए दिया जाता है (Rent is that portion of the produce of the earth which is paid to the landlord for the use of the original and indestructible powers of the soil.) भूमि की मौलिक एवं अविनाशी शक्तियों से रिकार्डो का तात्पर्य उन शक्तियों से था जिनके चलते भूमि की उर्वरता में विभिन्नता पायी जाती है। उर्वरा शक्ति की विभिन्नता के कारण भूमि की कई श्रेणियां (grades) पायी जाती हैं और प्रत्येक श्रेणी की भूमि से अलग अलग मात्रा में उपज प्राप्त होती है। कम उपजाऊ भूमि की तुलना में अधिक उपजाऊ भूमि पर अधिक उपज होती है और इन दोनों के उपज के अन्तर को ही आर्थिक लगान कहते हैं। (Economic Rent)

क्योंकि लगान भूमि की उर्वराशक्ति एवं उपज की विभिन्नता के कारण उत्पन्न होता है अतः इसे भेदात्मक लगान अथवा भेदात्मक बचत (Differential Rent or Differential Surplus) भी कहते हैं।

सिद्धान्त की व्याख्या :-
(Explanation of the theory)

इस प्रकार रिकार्डो के अनुसार लगान भूमि की किस्म अथवा उर्वराशक्ति (quality of fertility) की विभिन्नता का परिणाम है। सर्वप्रथम सबसे ~~अच्छी~~ अच्छी किस्म की भूमि पर खेती की जाती है और जैसे-जैसे आबादी एवं खाद्य-पदार्थों की माँग में वृद्धि होती है। वैसे-वैसे कम उपजाऊ जमीन पर भी खेती होने लगती है। जब तक ~~सबसे~~ सबसे अच्छी भूमि उपलब्ध रहेगी तब तक निकृष्ट भूमि पर खेती नहीं होगी एवं सबसे अच्छी अथवा प्रथम श्रेणी की भूमि पर लगान नहीं लगेगा। लेकिन आबादी बढ़ने से द्वितीय श्रेणी की भूमि पर भी खेती होगी जिस पर प्रथम श्रेणी की भूमि की तुलना में कम उपज होगी और इस प्रकार प्रथम श्रेणी की भूमि पर उपज का जो आधिक्य होगा वह उसका लगान होगा। इस प्रकार यह क्रम चलता रहेगा। रिकार्डो ने लगान निर्धारण को एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है। मानलिया जाय कि लोगों का एक जत्था एक निर्जन द्वीप पर जाकर बस जाता है और खेती करना प्रारम्भ करता है। स्वाभाविक है कि यह जत्था सबसे पहले अधिक उपजाऊ भूमि पर खेती करेगा।